दैनिक प्रकाश पुंज 9.5.13

(3)

क्रांतिकारी

भू-अभिलेख से सम्बधित कई पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया

भू-नक्शा एवं ऑन लाइन जमाबंदी राज्य में क्रांतिकारी कदमः अग्रवाल

(5)

टोंक, 8 मई (निसं)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलेक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल की अध्यक्षता में भू नक्शा एवं ऑनलाइन जमाबंदी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भू-अभिलेख से सम्बधित कई पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उन्होने कहा कि भू-नक्शा एवं ऑन लाइन जमाबंदी राजस्थान में क्रान्तिकारी कदम हैं।

जिला कलेक्टर अग्रवाल ने सभी उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को उक्त कार्य को समयबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि राज्य सरकार की मंशा हैं कि किसानों को उनके खेत सम्बधी जानकारी वे कम्प्यूटर खोलकर स्वयं ही देखले। ताकि उन्हे पटवारी के एवं तहसीलों आदि के चक्कर नहीं लगाने पड़े तथा किसानों को सहुलियत मिल सके। जिससे किसान लाभान्वित हो सकेगें।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र जयपुर के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के.एल जावरियों ने भू अभिलेख के खसरा नम्बरों को इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराने के बारे में तथा तहसील के समस्त आधार रिकार्ड को स्केन कर इन्टरनेट के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराने की जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रमेशचंद जैन बताया कि जिले की दो तहसील की सभी जमाबंदियां ऑनलाईन कर दी गई हैं शेष तहसील कुछ ही समय में ऑनलाइन करने की तैयारी कर ली गई हैं। राष्ट्रीय भू- अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजना में टोंक जिले का चयन पायलट आधार पर किया गया है। उसी के तहत सभी तहसीलों मे आधुनिक रिकार्ड कक्ष बनाये गये एवं समस्त रिकार्ड को इन्टरनेट पर उपलब्ध करवाया जा रहा हैं।

बैठक में सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं भू-प्रबंध आयुक्त जयपुर के प्रतिनिधि तरूण यादव भी उपस्थित थे। उन्होने बताया कि सभी कार्यों को समय ब[illegible] करवाने में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र [illegible] राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती इ[illegible] गुप्ता के सहयोग को सराहनीय बताया। अ[illegible] में बैठक में सभी अधिकारियों ने इ[illegible] राजस्थान में क्रांतिकारी कदम बताया।

पंजाब केसरी 9.5.13

भू नक्शा एवं ऑन लाइन जमाबंदी पर कार्यशाला आयोजित

टोंक,(भगवान सहाय शर्मा): जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलेक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल की अध्यक्षता में भू नक्शा एवं ऑनलाइन जमाबंदी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें भू- अभिलेख से सम्बधित कई पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर अग्रवाल ने सभी उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को इस कार्य को समयबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा हैं कि किसानों को उनके खेत सम्बधी जानकारी वे कम्प्यूटर खोलकर स्वयं ही देखले। ताकि उन्हें पटवारी के एवं तहसीलों आदि के चक्कर नहीं लगाने पड़े तथा किसानों को सहुलियत मिल सकें।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र जयपुर के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के.एल जावरियों ने भू अभिलेख के खसरा नम्बरों को इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराने के बारे में तथा तहसील के समस्त आधार रिकार्ड को स्केन कर इन्टरनेट के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराने की जानकारी दी।

इस दौरान जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रमेशचंद जैन बताया कि जिले की दो तहसील की सभी जमाबंदियां ऑनलाईन कर दी गई हैं शेष तहसील कुछ ही समय में ऑनलाइन करने की तैयारी कर ली गईहै।

राष्ट्रीय भू- अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजना में टोंक जिले का चयन पायलट आधार पर किया गया है। उसी के तहत सभी तहसीलों मे आधुनिक रिकार्ड कक्ष बनाएं गए एवं समस्त रिकार्ड को इन्टरनेट पर उपलब्ध करवाया जा रहा हैं।

बैठक में सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं भू-प्रबंध आयुक्त जयपुर के प्रतिनिधि तरूण यादव भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि सभी कार्यों को समय बद्ध करवाने में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र की राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी इंदू गुप्ता के सहयोग को सराहनीय बताया । अंत में बैठक में सभी अधिकारियों ने इसे राजस्थान में क्रांतिकारी कदम बताया।

कार्यशाला सम्पन्न

टोंक. यहां कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को कलक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल की अध्यक्षता में भू-नक्शा एवं ऑनलाइन जमाबंदी पर कार्यशाला हुई। बैठक में भू-अभिलेख से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र जयपुर के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के.एल जावरियो ने भू-अभिलेख के खसरा नम्बरों को इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराने के बारे बताया। सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रमेशचंद जैन बताया कि जिले की दो तहसील की सभी जमाबंदियां ऑनलाइन कर दी गई हैं। शेष तहसील कुछ ही समय में ऑनलाइन करने की तैयारी कर ली गई हैं।

(8) सीक) (सन्देश) 9-5-13

भू नक्शा एवं ऑन लाइन जमाबंदी राज्य में क्रांतिकारी कदम - मुक्तानन्द

टोंक, 8 मई (का.स.)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलेक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल की अध्यक्षता में भू नक्शा एवं ऑनलाइन जमाबंदी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भू- अभिलेख से सम्बधित कई पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भू- नक्शा एवं ऑन लाइन जमाबंदी राजस्थान में क्रान्तिकारी कदम हैं।

जिला कलेक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को उक्त कार्य को समयबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि राज्य सरकार की मंशा हैं कि किसानों को उनके खेत सम्बधी जानकारी वे कम्प्यूटर खोलकर स्वयं ही देखले। ताकि उन्हे पटवारी के एवं तहसीलों आदि के चक्कर नही लगाने पडे तथा किसानों को सहुलियत मिल सके। जिससे किसान लाभान्वित हो सकेगें।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र जयपुर के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के.एल जावरियों ने भू अभिलेख के खसरा नम्बरों को इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराने के बारे में तथा तहसील के समस्त आधार रिकार्ड को स्केन कर इन्टरनेट के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराने की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रमेशचंद जैन बताया कि जिले की दो तहसील की सभी जमाबंदियां ऑनलाईन कर दी गई हैं शेष तहसील कुछ ही समय में ऑनलाइन करने की तैयारी कर ली गई हैं। राष्ट्रीय भू- अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजना में टोंक जिले का चयन पायलट आधार पर किया गया है। उसी के तहत सभी तहसीलों मे आधुनिक रिकार्ड कक्ष बनाये गये एवं समस्त रिकार्ड को इन्टरनेट पर उपलब्ध करवाया जा रहा हैं।

बैठक में सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं भू- प्रबंध आयुक्त जयपुर के प्रतिनिधि तरूण यादव भी उपस्थित थे। उन्होने बताया कि सभी कार्यों को समय बद्ध करवाने में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र की राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी इंदू गुप्ता के सहयोग को सराहनीय बताया। अंत में बैठक में सभी अधिकारियों ने इसे राजस्थान में क्रांतिकारी कदम बताया।